Rapid Fire करेंट अफेयर्स (20 March)

- गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद विधानसभा स्पीकर प्रमोद सावंत ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ। राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने उन्हें गोवा के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। इसके आलावा महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (MGP) के सुदीन धवलीकर और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के विजई सरदेसाई ने उप-मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।
- आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र डिजिटल चुनावी साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु असम में 'i-help' पहल शुरू की गई है। 'i-help' मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) के कार्यालय और कॉमन सर्विस सेंटर्स (CSC) की एक संयुक्त पहल है। यह विशेष पहल डिजिटल खाई को पाटने के साथ-साथ आम चुनाव को अधिक समावेशी और सहभागी बनाने के उद्देश्य को पूरा करेगी।
- वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस (Global Recycling Day) की शुरुआत 2018 में की गई थी ताकि हमारे ग्रह, पृथ्वी के भविष्य के साथ-साथ प्रमुख संसाधनों को सुरक्षित रखने में पुनर्चक्रण की भूमिका की पहचान की जा सके। 2018 से ही 18 मार्च को वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस मनाया जाता है। ग्लोबल रिसाइक्लिंग फाउंडेशन ने वर्ष 2019 हेतु वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस का विषय 'Recycling into the Future' रखा है।
- हाल ही में रघु कर्नाड को प्रतिष्ठित विंडिहम कैंपबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार नॉन-फिक्शन श्रेणी में उनकी किताब 'फारदेस्ट फील्ड: एन इंडियन स्टोरी ऑफ द सेकेंड वर्ल्ड वॉर' के लिये दिया गया है। 2013 में शुरू हुआ यह पुरस्कार अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी द्वारा दिया जाता है। इस साल यह पुरस्कार दुनिया भर से चुने गए 8 लेखकों को प्रदान किया गया है। रघु कर्नाड को अपनी इस किताब के लिये साल 2016 में साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार (अंग्रेज़ी) भी मिल चुका है। यह किताब दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े कुछ भारतीयों के अनुभवों के बारे में है।
- प्रसिद्ध बंगाली अभिनेता चिन्मय रॉय का 79 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन। तेन्यदा के पात्र से लेकर 'बसंता बिलाप', 'मोचक' से लेकर 'गालपो होलो सोती' तक उनके अभिनय ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया था। चिन्मय रॉय का जन्म 1940 में कुमिला ज़िले में हुआ था जो वर्तमान में बांग्लादेश में है। चिन्मय रॉय ने 60 के दशक में बंगाली फिल्मों से अपने कॅरियर की शुरुआत की थी।
- भारतीय शटलर बी.साई प्रणीत स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करने से एक कदम पीछे रह गए। पुरुष एकल के फाइनल में बी.साई प्रणीत को चीनी खिलाड़ी शी यूकी ने मात दी। वह मैच का पहला गेम जीतने में सफल रहे थे किंतु यूकी ने फाइनल में खिताब अपने नाम कर लिया। 68 मिनट तक चले मुकाबले में बी.साई प्रणीत को 21-19 18-21, 12-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। आपको बता दें कि भारतीय शटलर बी.साई प्रणीत ने अंतिम बार जून 2017 में थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुँचकर खिताब अपने नाम किया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-march-20